न्यूज डायरी

तालिबान के अलावा अफगानिस्तान की अस्थिरता भी बड़ा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद से पूरा विश्व चिंता के साए में जी रहा है। लेकिन, वहीं दूसरी चिंता इस बात को लेकर भी जताई जा रही है यदि अफगानिस्तान में अस्थिरता का माहौल बना रहा तो ये चीन समेत सभी पड़ोसी देशों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। येरूशलम पोस्ट के लिए लिखे गए एक लेख में सेंटर आफ पालिटिकल एंड फोरेन अफेयर्स में इंटरनेशनल रिलेशन के डायरेक्टर केली अलखोली ने कहा है कि अस्थिरता की स्थिति में अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट खुरासान ग्रुप को पनपने का अवसर मिल जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो पड़ोसी देशों की सीमाओं पर खतरा बढ़ जाएगा। आईएस इस सूरत में इन सीमाओं के अंदर हमले तेज कर देगा और इसके चलते वहां बसे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया में कोविड 19 मामले हुए तेज डेल्टा वैरिएंट के कारण बढ़ा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के कारण संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश ने कोविड–19 संक्रमणों का एक दिन में अब तक की अपनी सबसे बड़ी वृद्धि रिपोर्ट की है। शुक्रवार को कोविड–19 महामारी में पहली बार 1,900 से ऊपर दैनिक मामले दर्ज किए गए हैं। बता दें कि अत्यधिक संक्रामक के मामले डेल्टा संस्करण के फैलने से हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो सबसे बड़े शहर सिडनी और मेलबर्न में लॉकडाउन लगने के बाद भी डेल्टा वेरिएंट के प्रकोप के कारण कोविड–19 के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऑस्ट्रेलिया डेल्टा के प्रकोप के साथ संक्रमण की तीसरी लहर की चपेट में है, देश में कोविड–19 महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिससे अधिकारियों को कोरोना वायरस को कम करने के लिए अपनी कोविड–शून्य रणनीति को अपनाना पड़ रहा है। अधिकारियों का लक्ष्य डबल–खुराक टीकाकरण के साथ आबादी के उच्च अनुपात तक पहुंचने के बाद लगाए गए सख्त प्रतिबंधों में ढील देना शुरू करना है।

धन की कमी के चलते कई जनरेशन पीछे चला जाएगा अफगानिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। अफगानिस्तान के लिए आने वाला समय बड़ी कठिनाइयों भरा है। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेबोराह लियोंस ने यहां तक कहा है कि यदि वहां के आर्थिक हालात जल्द नहीं सुधरे तो वो जनरेशन पीछे तक हो जाएगा। ऐसे में वहां के लोगों को बेहद बुरे हालातों का सामना करना पड़ सकता है।
उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा है कि अफगानिस्तान में इस तरह के हालात आने से पहले यहां पर तुरंत एक बड़ी धनराशि की जरूरत है। आपको बता दें कि अमेरिका ने अफगानिस्थान का विदेशी बैंकों में जमा धनराशि की निकासी पर रोक लगा दी है। वहीं आईएमएफ ने भी अफगानिस्तान को वित्तीय मदद देने से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। तालिबान का कहना है कि उसको ये राशि दी जानी चाहिए।

सरकार गठन के साथ ही शुरू हो गई हैं तालिबान की चुनौतियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्थान में तालिबान की बनी केयरटेकर गवर्नमेंट के लिए चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। वहीं अफगानिस्तान में लंबे समय से जारी मानवीय संकट भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बने कुछ ही दिन हुए हैं और अफगानिस्तान का उसके पड़ोसी देशों के साथ तनाव भी शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान सबसे पहले नंबर पर है। तालिबान को आंतरिक मुद्दों से भी दो–चार होना पड़ रहा है। अब उसके खिलाफ लगातार लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। इसमें पत्रकार, महिलाएं, यूनिवर्सिटी छात्र और एक्टिविस्ट शामिल हैं। ये प्रदर्शन खासतौर पर तालिबान सरकार द्वारा लगाई जा रही विभिन्न पाबंदियों के खिलाफ हो रहे हैं। दूसरी तरफ तालिबान अपनी पूरी क्षमता के साथ इन प्रदर्शनों को कुचलने के लिए काम कर रहा है। इसका जीता–जागता सुबूत पिछले दिनों दो पत्रकारों की हुई पिटाई है।

बाइडन–शी जिनपिंग में 7 महीने में पहली बार हुई बात

वाइट हाउस और चीनी मीडिया ने दोनों नेताओं के बीच बातचीत की पुष्टि की

सीधी बात

- ■बाइडन और शी के बीच यह बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब विभिन्न मुद्दों को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है
- ■करीब 7 महीने में पहली बार जो बाइडन और शी जिनपिंग ने एक–दूसरे से फोन पर सीधी बात की है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका और चीन में तनाव के बीच 7 महीने में पहली बार जो बाइडन और शी जिनपिंग ने एक–दूसरे से फोन पर सीधी बात की है। अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस और चीन की सरकारी मीडिया ने दोनों नेताओं के बीच बातचीत की पुष्टि की है। बाइडन और शी के बीच यह बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न मुद्दों को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है।

वाइट हाउस के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता करीब 90 मिनट तक चली। इसमें अमेरिका और चीन के रिश्तों को किस तरह से बढ़ाया जाए, इसको लेकर चर्चा हुई। जनवरी में बाइडन के सत्ता संभालने के बाद शी जिनपिंग के साथ उनकी यह दूसरी बार फोन पर बातचीत हुई है। कोरोना वायरस महामारी के स्रोत, मानवाधिकार और व्यापार आदि को लेकर दोनों ही पक्षों के बीच इस समय विवाद बना हुआ है।

शी और बाइडन की बातचीत खुले दिल से हुईः चीनी मीडिया ने कहा कि शी और बाइडन की बातचीत खुले दिल से हुई और काफी विस्तृत रही। शी ने कहा कि अमेरिका की उनके प्रति नीति से चीन के साथ रिश्तों में बड़ी बाधा आ रही है। चीनी पक्ष ने कहा कि दोनों नेताओं ने भविष्य में अक्सर संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई है। इससे पहले एक वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा था कि राष्ट्रपति कार्यालय चीन के साथ शुरुआती संपर्क को लेकर संतुष्ट नहीं था।

अधिकारी ने कहा कि वाइट हाउस को उम्मीद है कि बाइडन और शी के बीच सीधी बातचीत से फायदा हो सकता है। बाइडन ने बातचीत में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उनका मानवाधिकारों के मुद्दे से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका का मानना है कि मानवाधिकारों के मामले में दुनिया के मानदंडों के खिलाफ चीन काम कर रहा है। दोनों पक्षों के बीच ताइवान और दक्षिण चीन सागर को लेकर भी विवाद बना हुआ है।

पाकिस्तान ने पंजशीर घाटी हमले में शामिल होने को खारिज किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि वह अफगानिस्तान की पंजशीर घाटी में तालिबान के साथ रहकर हमले कर रहा है। पाकिस्तान ने इसे दुष्ट प्रचार अभियान करार दिया है। तालिबान ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पिछले महीने अफगानिस्तान में हमले के बाद अंतिम प्रांत पंजशीर घाटी पर कब्जा कर लिया है, जो उनके नियंत्रण में नहीं था।

कुछ रिपोर्टों में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना ड्रोन हमलों द्वारा व पाकिस्तानी विशेष बलों से भरे 27 हेलीकाप्टरों के साथ पंजशीर में तालिबान के हमले में सहायता कर रही थी। वहीं, इस पर पाक विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार ने रात में दिए एक बयान में कहा, शरारती रूप से प्रचारित अभियान के रूप में इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया जाता है। बयान में कहा गया, ये दुर्भावनापूर्ण आरोप पाकिस्तान को बदनाम करने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने का एक प्रयास है। प्रवक्ता ने शांतिपूर्ण, स्थिर, संप्रभु और समृद्ध अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया। बता दें कि पंजशीर, एक ऊबड़–खाबड़ पहाड़ी घाटी, जहां 150,000 से 200,000 लोग बसे हुए हैं।

हवा से कार्बन निकालने वाला दुनिया का सबसे बड़ा प्लांट शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। पूरी दुनिया पर जलवायु परिवर्तन का खतरा मंडरा रहा है और इसके लिए ग्रीनहाउस गैसें बड़ी जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने के लिए कई कंपनियां ऐसी टेक्नॉलजी ईजाद कर रही हैं जिससे इस संकट को टाला जा सके। अब दुनिया का सबसे बड़े ऐसा प्लांट काम शुरू करने को तैयार है जो हवा से कार्बनडायऑक्साइड लेकर अंडरग्राउंड डिपॉजिट कर देता है। इस ग्रीन टेक्नॉलजी को बनाने वाली स्विस कंपनी Climeworks AG ने इसके बारे में जानकारी दी है। Direct air capture तकनीक हवा से कार्बनडायऑक्साइड को कम करने के लिए एक अहम हथियार साबित हो सकती है और आने वाले वक्त में इसका इस्तेमाल और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है।

पंजशीर में भीषण संघर्ष, अमरुल्ला सालेह के भाई की मौत की खबरे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। पंजशीर घाटी में अहमद मसूद के नेतृत्व वाले नैशनल रेजिस्टेंस फोर्स और तालिबानी आतंकियों के बीच भीषण जंग जारी है। बताया जा रहा कि इस हिंसा में अफगानिस्तान के कार्यवाहक राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह के भाई रोहूल्ला सालेह की मौत हो गई है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि तालिबान आतंकियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक पंजशीर घाटी के विभिन्न हिस्सों में दोनों पक्षों के बीच अभी जंग जारी है। बताया जा रहा है कि बीती रात तालिबान और अमरुल्ला सालेह के समर्थकों के बीच भीषण लड़ाई हुई। इसमें रोहल्ला सालेह की मौत हो गई। तालिबान का दावा है कि वे अमरुल्ला सालेह की उस लाइब्रेरी तक पहुंच गए हैं जहां से उन्होंने कुछ दिनों पहले एक वीडियो मेसेज जारी किया था।

तालिबान आतंकियों ने लाइब्रेरी में घुसने की तस्वीरें भी जारी की हैं। इसमें आतंकी उसी स्थान पर बैठे नजर आ रहे हैं जहां पर अमरुल्ला सालेह बैठे हुए थे। इस अहमद मसूद के समर्थक रहे मार्शल दोस्तम ने ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की है कि वे आतंकियों वाली अफगान सरकार को मान्यता देने में हड़बड़ी न करें। उन्होंने कहा कि जिस कैबिनेट को तालिबान ने बनाया है, उसमें दुनिया के इनामी आतंकी शामिल हैं।

टिमटिमाते तारों और शहर की चकाचौंध में ठनी, सितारों ने की लड़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। अंतरिक्ष से देखने पर धरती की खूबसूरती कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। यकीन नहीं आता तो फ्रेंच ऐस्ट्रोनॉट थॉमा पेस्केट के कैमरे में कैद तस्वीरें देख लीजिए। इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन से थॉमा ऐसी–ऐसी तस्वीरें शेयर करते हैं कि देखने वाले दिम थाम लें। ऐसी ही एक तस्वीर में धरती पर चमकती रोशनी के पीछे सितारों से सजा काला आसमान दिखा है जो किसी पेंटिंग जैसा लगता है। इस तस्वीर में धरती के ठीक ऊपर नारंगी धारी दिखती है। थॉमा ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, कभी–कभी सितारों की रोशनी शहरों की रोशनी से इस बात पर लड़ जाती हैं कि कौन ज्यादा चमक रहा है और ज्यादा खूबसूरत है। मैं लकी हूं कि इन्हें जज कर सकता हूं। वह आगे बताते हैं कि ये तस्वीरें लेना आसान नहीं है..लंबा शटर टाइम चाहिए होता है (शटर को ज्यादा वक्त चाहिए होता है ताकि रोशनी ले सके), इसलिए फोटो लेने वाले एकदम स्थिर रहना होता है और तेज गति से चल रहा होता है इसलिए, मोशन भी होता है।